

योग के साथ राजयोग से होगा मनुष्य का स पूर्ण विकास

चार हजार बालक और बालिकाओं ने किया योग और राजयोग

आबू रोड़, ख् मई, निस.। शरीर को स पूर्ण स्वस्थ रखने के लिए संतुलित भोजन की जितनी आवश्यकता हैं उतना ही महत्व दैनिक जीवनचर्या में योग और राजयोग का भी हैं। शरीर को पूर्ण स्वस्थ रखने के लिए योग और मानसिक, सामाजिक, आध्यत्मिक रूप से तन्दरुस्ती के लिए राजयोग को जीवन में शामिल करना आवश्यक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शारीरिक, मानसिक, समाजिक, अध्यात्मिक रूप से स पूर्ण स्वस्थ व्यक्ति को पूर्ण स्वस्थ मना गया हैं और ये तभी स भव हैं जब हम अपने दैनिकी जीवन में योग और राजयोग को शामिल करें। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज्ञ संस्थान में फत्वां अखिल भारतीय बाल व्यक्तिव विकास शिविर में आए बच्चों के लिए दादी प्रकाशमणी पार्क में आयोजित योग और राजयोग अ यास कार्यक्रम में शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर डा. हरीश शुला ने देश भर से आए हुए लगभग चार हजार बच्चों को स ञ्चिधित करते हुए व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि जीवन में राजयोग को शामिल करने से विद्यार्थियों के बौद्धिक क्ष ता, स्मरण शक्ति, एकाग्रता जैसे अनेक गुण आतें हैं। देश के कोने-कोने से आये हुए बच्चों ने बड़ी ही उत्साहित होकर कार्यक्रम में भाग लिया और दैनिकी जीवन चर्या में योग और राजयोग को शामिल करने की भी संकल्प किया। बच्चों को बड़े ही बारिकी से योगा प्रशिक्षक बीके बाबू भाई ने यूजिक के साथ योगा अ यास कराया।

ज्ञात हो कि ब्रह्माकुमारीज्ञ संस्थान अंतराष्ट्रिय योग दिवस के अवसर ये कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्थान एक महीने तक योग दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। संस्थान इस साल देश भर में बड़े ही धूमधाम से योग के राजयोग को मनुष्य के जीवन धारण करने के लिए देश भर में कार्यक्रम का तैयारीयां कर रहें। इस अवसर पर शांतिवन अभियन्ता बीके भरत, बीके डा. ममता, बीके अमरदीप, बीके राजू सहित संस्थान अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

फोटो, खम्बीआरओपी, व, ख् फ, ७ दादी प्रकाशमणि पार्क में योग एवं राजयोग करते बच्चे।